

प्रेषक,

टीकम सिंह पेंवार,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य महाप्रबन्धक,
उत्तराखण्ड जल संस्थान,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 3 दिसम्बर 2007

विषय :- राज्य योजना नगरीय के अन्तर्गत वर्ष 2007-08 में मसूरी नगर पेयजल योजना हेतु डिपो स्टील टैंक से सिस्टर बाजार तक पाइप लाइन विस्तार हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्र संख्या 3697/अप्रै-03/प्राक्कलन (गढ0)/2007-08 दिनांक 20.09.2007 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मसूरी नगर पेयजल योजना हेतु डिपो स्टील टैंक से सिस्टर बाजार तक पाइप लाइन विस्तार हेतु रू0 12.90 लाख के प्राक्कलन पर टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि रू0 11.68 लाख (रुपये ग्यारह लाख अठसठ हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में इतनी ही धनराशि के व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. स्वीकृत धनराशि का आहरण मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल देहरादून के कोषागार में प्रस्तुत करके किया जायेगा। आहरण से सम्बन्धित बाउचर संख्या एवं दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को तत्काल उपलब्ध कराई जाय।

3. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों तथा जो दरें शेड्यूल आफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति पर नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा।

4. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाये।

5. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

6. एक मुश्त प्राविधानों को कार्य करने से पूर्व, विस्तृत व्यौरा गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदित कराना आवश्यक होगा।

१८

7. कार्य कराने से पूर्व समस्त तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए समस्त औपचारिकतायें पूर्ण करते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
8. आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि जो राशि स्वीकृत की गयी है उसी मद पर व्यय किया जाये एक मद की राशि को दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
9. निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व निर्माण सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला में अवश्य करा लिया जाय।
10. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु संबंधित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
11. स्वीकृत की जा रही धनराशि का पूर्ण उपयोग करके उपयोगिता प्रमाण-पत्र दिनांक 31.03.2008 तक शासन को प्रस्तुत किया जायेगा।
12. उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में अनुदान संख्या-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलापूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत-101-शहरी जलापूर्ति कार्यक्रम-05-नगरीय पेयजल-01-नगरीय पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं के लिए अनुदान-20-सहायक अनुदान/अंशदान राजसहायता" के नामे डाला जायेगा।
13. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 569/XXVII (2)/2007 दिनांक 27 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय

(टीकम सिंह पेंवार)
संयुक्त सचिव

संख्या 1996 (1)/उन्तीस (2)/07-2(134पे0)/2007 तददिनांक।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल मण्डल।
3. जिलाधिकारी, देहरादून उत्तराखण्ड।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून।
6. वित्त अनुभाग-2/वित्त (बजट सैल)/नियोजन प्रकोष्ठ।
7. निजी सचिव, मा0 पेयजल मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
8. स्टाफ आफीसर-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के अवलोकनार्थ।
9. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
10. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)
उप सचिव